अंकन योजना
अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)
सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2026 (सेकेंड बोर्ड परीक्षा)
कक्षा- 10 वीं हिंदी (A), कोड- 002
प्रश्न पत्र कोड 3/7/1

सामान्य निर्देश:

1.आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।

3. मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।

4. अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।

6. मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।

7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

8. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

9. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।

10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।

12. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

13. नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें–

- उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना
- उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना
- उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना
- उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना
- उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।

14. उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

15. उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।

16. सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।

17. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं /अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मई, 2026

प्रश्न पत्र कोड : 3/7/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक
	खंड 'क' (अपठित बोध)	**14**
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(B) केवल पुस्तकीय ज्ञान से व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिलता	1
(ii)	(D) पुस्तकीय ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव का संतुलन	1
(iii)	(B) पुस्तकीय ज्ञान को जीवन में उतारे बिना वह व्यर्थ है।	1
(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त कारण लिखेंगे- • जीवन में पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान का उचित उपयोग न कर पाना • सामाजिक व्यवहार, परिवेश और अनुभव से प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा करना • किताबी ज्ञान और व्यावहारिक जीवन में संतुलन का अभाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो कारण लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * कोई एक कारण लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • अपनी बात को पुष्ट करने के लिए • लेखक द्वारा अपने मंतव्य को प्रभावशाली बनाने के लिए • किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव की महत्ता को समझाने के लिए (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * पर्याप्त विस्तार सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------- * संक्षेप में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक)	2

	---------- * कबीर के दोहे के संदर्भ में गद्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(D) सिगड़ियों में आग	1
(ii)	(B) संग्रहालय में शासकों का महिमामंडन और श्रमिक वर्ग की उपेक्षा	1
(iii)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(iv)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● संग्रहालयों में श्रमिकों द्वारा निर्मित वस्तुएँ विद्यमान, किंतु श्रमिकों का कोई उल्लेख नहीं ● संग्रहालय में भूतकाल की निर्जीव वस्तुएँ प्रदर्शित, लेकिन उनमें जीवन और ऊर्जा नहीं ● इतिहास का केवल बाहरी रूप सुरक्षित, उसकी आत्मा और संघर्ष नहीं (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * पर्याप्त विस्तार से उपयुक्त आशय लिखने पर (2 अंक) ---------- * संक्षेप में उपयुक्त आशय लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे : ● कारीगरों की उपेक्षा और शासकों का महिमामंडन ● शासकों द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और उनके चित्रों का नाम-विवरण सहित उल्लेख परंतु उन्हें बनाने वालों का गुमनाम रह जाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु में उत्तर लिखने पर (1 अंक) ----------	2

	* प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	खंड 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)	**16**
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	वह हमारी ओर देखते इसलिए/ और हम कुछ लजाकर आईना नीचे रख देते थे।	1
(ii)	पूजा-पाठ कर चुकने के बाद वह राम-राम लिखने लगते।	1
(iii)	यदि देश को ऊँचा उठाना है तो अपने दोषों को सुधारो।	1
(iv)	विशेषण आश्रित उपवाक्य	1
(v)	संयुक्त वाक्य	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	उनके द्वारा कागज़ के छोटे-छोटे टुकड़ों पर राम-नाम लिखा जाता था।	1
(ii)	उन्होंने आटे की गोलियों को कागज़ में लपेटा।	1
(iii)	अब मुझसे और चला नहीं जाता।	1
(iv)	भाववाच्य	1
(v)	कर्तृवाच्य	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(i)	**वह–** सर्वनाम, अन्य पुरुषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'खिलाते' क्रिया का कर्ता	½+½=1
(ii)	**सदैव–** अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'खिलाना' क्रिया की विशेषता	½+½=1

(iii)	**ही–** अव्यय, निपात,'अपने' पर बल दे रहा है	½+½=1
(iv)	**भात–** संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक	½+½=1
(v)	**खिलाते–** क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, आदरार्थक बहुवचन, भूतकाल, 'वह' कर्ता की क्रिया	½+½=1
6.	'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	रूपक अलंकार	1
(ii)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
(iii)	उपमा अलंकार	1
(iv)	अतिशयोक्ति अलंकार	1
(v)	मानवीकरण अलंकार	1
	खंड 'ग' (पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)	**30**
7.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(ii)	(C) अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित हैं।	1
(iii)	(A) I, II और III	1
(iv)	(B) 1-I, 2-III, 3-II	1
(v)	(C) जो मोतियों भरे थाल को जानने के लिए उत्सुक है।	1
8.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • बचपन से ही शहनाई सीखने में लीन • आजीवन नियमित रियाज़	2

	• बनाव-सिंगार, वेश भूषा पर ध्यान की जगह रियाज़ को प्राथमिकता • शहनाई में पारंगत होने पर भी सच्चे सुर के लिए इबादत • शहनाई के पर्याय • शहनाई की मंगल ध्वनि के नायक • पूरे संसार में शहनाई की पहचान स्थापित करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • असीम धैर्यवान • सहनशील • त्यागमयी • सरल, सहज • ममतामयी • निष्ठावान • परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • एकांत • आराम • सुविधा	2

	• भीड़-भाड़ से बचने की कोशिश * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iv)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • कथनी-करनी में अंतर न होना • अपने सिद्धांतों पर पूर्ण विश्वास • गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी • शोक की घड़ी में भी अडिग आस्था • रूढ़ियों का विरोध • खरा व्यवहार और स्पष्टवादिता • दुनियादारी से दूरी (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
9.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(B) राम	1
(ii)	(A) सीता-स्वयंवर के समय शिव धनुष का टूटना	1
(iii)	(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(iv)	(C) I और III सही हैं।	1

(v)	(D) विश्वामित्र ने कहा कि सज्जन बालकों के गुण-दोष को महत्त्व नहीं देते।	1
10.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • अभागा/ भाग्यहीन • कृष्ण के प्रेम से वंचित • प्रेम के आनंद से अनजान • विरह की पीड़ा से अपरिचित * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * कविता के आधार पर उद्धव के विषय में थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त भाव लिखेंगे - • कवि अपने जीवन की दुर्बलताओं और कमियों को सार्वजानिक नहीं करना चाहते। • अपने मित्रों/पाठकों से कहते हैं कि उनका जीवन रिक्त है और उनकी कोई ख़ास उपलब्धि नहीं है। • उन्हें लगता है कि उनकी दुर्बलताओं को पढ़कर और उनके जीवन की रिक्तता के बारे में जानकर पाठकों/मित्रों को सुख की अनुभूति होगी। * दोनों पंक्तियों का भाव स्पष्ट करने पर (2 अंक) ---------- * किसी एक पंक्ति का भाव स्पष्ट करने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • क्रांति का आह्वान • परिवर्तन की कामना • नई चेतना और उत्साह • नवजीवन और जागरण का संदेश • प्रगतिवादी स्वर	2

	• पीड़ित जन की आकांक्षा-पूर्ति (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु में उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * कविता से भावार्थ संबंधी कुछ वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iv)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- फसल उपजाने में प्रकृति और मानव का परस्पर सहयोग : • लाखों-करोड़ों हाथों का श्रम • अनेक नदियों का जल • हज़ारों खेतों की उपजाऊ मिट्टी • सूर्य की किरणें और हवा * पर्याप्त विस्तार सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * प्रकृति और मनुष्य के योगदान में किसी एक के बारे में लिखने पर (1 अंक) ---------- * कविता के आधार पर प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
11.	पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	8
(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **क्या देखकर :** • परमाणु विस्फोट के समय जले हुए पत्थर पर बनी किसी व्यक्ति की लंबी उजली छाया परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- **प्रभाव :** • स्वयं भोक्ता में बदल जाना • आतंरिक विवशता का जागना • मानवीय पीड़ा और त्रासदी की साक्षात अनुभूति • मानसिक व्याकुलता और विचलित मन के कारण कविता का जन्म	4

	• मानव निर्मित आपदा के प्रति सचेत होना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+1+1=4 अंक) ---------- * प्रश्न के पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और दूसरे हिस्से के लिए एक बिंदु लिखने पर (3 अंक) ---------- * प्रश्न के पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर **अथवा** दूसरे हिस्से के लिए दो बिंदु लिखने पर अथवा पाठ के आधार पर हिरोशिमा के अनुभव और उसके प्रभाव के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (2 अंक) ---------- * प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा पाठ के संदर्भ में हिरोशिमा के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त अर्थ लिखेंगे- **जल-संरक्षण :** जल की बर्बादी को रोकना और उसका उचित प्रबंधन परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए **तीन** उपयुक्त बिंदुओं में **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- • जल का समुचित उपयोग करना • जल को व्यर्थ बहने से रोकना • वर्षा जल का संचयन करना • जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाना • पेड़-पौधे लगाकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखना • जल-संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना * पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त अर्थ लिखने और प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए तीन बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+3 =4 अंक)	4

	---------- * प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त अर्थ लिखने और दूसरे हिस्से के लिए दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त अर्थ न लिखने और दूसरे हिस्से के लिए तीन बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ---------- * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए एक-एक बिंदु लिखने पर अथवा प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए दो बिंदु लिखने पर अथवा पाठ के आधार पर 'जल संरक्षण' के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (2 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी भी एक हिस्से के लिए एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा 'जल संरक्षण' के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए पाठ और वर्तमान संदर्भों की **एक** उपयुक्त बिंदु में भिन्नता लिखेंगे- • पाठ में वर्णित विद्यालय में अनुशासन की पारंपरिक व अनौपचारिक तरीका; वर्तमान विद्यालयों में अनुशासन सुधारात्मक दृष्टिकोण पर टिका • उद्दंडता करने पर पाठ में वर्णित विद्यालय के शिक्षक द्वारा शारीरिक दंड दिया जाना; आज शारीरिक दंड की जगह बातचीत और परामर्श (काउंसलिंग) • पाठ में वर्णित विद्यालय के शिक्षक द्वारा अनुशासनहीनता के आरोप में विद्यालय के बच्चों को अनुपस्थित बच्चे के घर भेजकर उसे बुलाना संभव; आज इस तरीके से बुलाना संभव नहीं (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए अपनी **स्वतंत्र** राय लिखेंगे, **जैसे**- मेरे विचार से पाठ में वर्णित विद्यालय और मेरे विद्यालय की अनुशासन प्रक्रिया में बहुत अंतर है। * पाठ की घटनाओं और वर्तमान संदर्भों के आधार पर अंतर बताने और तुलनात्मक राय लिखने पर (2+2= 4 अंक)	4

	---------- * पाठ की घटनाओं का उल्लेख करने परंतु वर्तमान संदर्भ से संक्षिप्त तुलनात्मक वर्णन करने पर (3 अंक) ---------- * पाठ की घटनाओं और वर्तमान संदर्भों को लिखने अथवा तुलनात्मक राय में से कोई एक लिखने पर (2 अंक) ---------- * पाठ की किसी एक घटना का उल्लेख करने पर **अथवा** वर्तमान संदर्भ के एक बिंदु का वर्णन करने पर अथवा पाठ की घटनाओं के संबंध में थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	खंड 'घ' (रचनात्मक लेखन)	**20**
12.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	6
13. (i) **अथवा** (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक	5

	विशेष निर्देश : • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (पता, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने, सेवा में आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	
14. (i) **अथवा** (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में ई-मेल **अथवा** स्ववृत्त लेखन अपेक्षित : **ई-मेल लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है। **स्ववृत्त-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :**	5

	• व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	
15. (i)

	(संबोधन, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	